पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल से मिला लखनऊ एवं पुणे विश्वविद्यालय के छात्रों का दल
भारत श्रेष्ठ था, है और रहेगा - राज्यपाल

लखनऊः 27 जनवरी, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक से आज राजभवन में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय एवं पुणे विश्वविद्यालय के छात्रों के एक दल ने संयुक्त रूप से भेंट की। इस अवसर पर राजभवन के अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अपनी भेंट के दौरान कहा कि भारत श्रेष्ठ था, भारत श्रेष्ठ है और भारत श्रेष्ठ रहेगा। देश को आजाद कराने के लिये अनगिनत लोगों ने बलिदान दिया है और आज भी देश की आजादी बनाये रखने के लिये सरहद पर हमारे सैनिक बलिदान देते हैं। देश को आगे ले जाने के लिये तय करना होगा कि हमारी आजादी का लक्ष्य क्या है। यू0एन0ओ0 द्वारा योग और कुम्भ को महत्व देना यह बताता है कि भारत पूरे विश्व में श्रेष्ठ है। जाति एवं धर्म के आधार पर भेद से देश का नुकसान होता है। हमारी एकता और सौहार्द हमें श्रेष्ठ बनाता है। हमें अपनी श्रेष्ठ परम्परा को बनाये रखते हुये देश को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि प्रबुद्धजन इस पर सम्यक विचार करें।

श्री नाईक ने छात्रों का स्वागत करते हुये कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय एवं पुणे विश्वविद्यालय के छात्रों का एक साथ आना अपने आप में महत्व का है। यह भ्रमण कार्यक्रम गत 30 दिसम्बर को उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र के बीच सांस्कृतिक आदान प्रदान के लिए हुये एम0ओ0यू0 की एक व्यवहारिक कड़ी है। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र का पुराना रिश्ता है। भातखण्डे संगीत विश्वविद्यालय के संस्थापक विष्णु नारायण भातखण्डे मराठी भाषी थे। लखनऊ विश्वविद्यालय में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा इस बात की द्योतक है कि शिवाजी केवल महाराष्ट्र के नहीं बल्कि पूरे देश के हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र को आर्थिक राजधानी बनाने में उत्तर भारतीयों का महत्वपूर्ण योगदान है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर छात्रों को गंभीरता से शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर ध्यान देने की बात कही। उन्होंने उत्तर प्रदेश की विशेषता बताते हुये कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रदेश है जहाँ से लोकसभा में 80 सांसद चुनकर जाते हैं। प्रदेश ने अब तक देश को 9 प्रधानमंत्री दिये हैं। 22 करोड़ से अधिक आबादी वाला प्रदेश विश्व के कई देशों से बड़ा है। उत्तर प्रदेश ने 1857 से लेकर 1947 तक देश को आजाद कराने में अग्रणी भूमिका निभायी है। राज्यपाल ने छात्रों को राजभवन, राज्यपाल के दायित्व तथा अपने लम्बे राजनैतिक जीवन के बारे में भी बताया। राज्यपाल ने छात्रों को व्यक्तित्व विकास के चार मंत्र बताये तथा सफलता के लिये 'चरैवेति! चरैवेति!!' का श्लोक उद्धृत करते हुये उसका मर्म भी समझाया।

पुणे विश्वविद्यालय से छात्रों का दल 24 जनवरी को लखनऊ आया है जिसने लखनऊ में आयोजित 'उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस', 25 जनवरी को 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' तथा 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर भी सहभाग किया तथा अपनी प्रस्तुति भी दी। छात्रों के दल ने आज लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एस0पी0 सिंह, भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती श्रुति सडोलीकर काटकर से भी भेंट की। यह दल 1090, डा॰ ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय तथा लखनऊ की अन्य ऐतिहासिक धरोहरों का भी भ्रमण करेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से डा॰ अलका मिश्रा तथा पुणे विश्वविद्यालय की ओर से डा॰ वैशाली दल की प्रभारी हैं।

राज्यपाल ने छात्रों को अपनी तृतीय वार्षिक रिपोर्ट 'राजभवन में राम नाईक 2016-17' तथा पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' की प्रतियाँ भी भेंट की।

अंजुम/ललित/राजभवन (36/36)